यूथ हॉस्टल के लोकार्पण के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

यूथ हॉस्टल के लोकार्पण समारोह में उपस्थित लाडपुरा की विधायक कल्पना देवी जी, अन्य प्रबुद्धजन और मेरे प्रिय युवाओ,

आप सबको इस नवनिर्मित यूथ हॉस्टल के लोकार्पण की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए मेरे मन में बार-बार यह बात आ रही है कि किसी सपने को पूरा होने में क्या दो दशक भी लग सकते हैं। यह यूथ हॉस्टल हमारे युवाओं की बरसों पुरानी मांग थी।

मुझे याद है कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के कार्यकाल में वर्ष 2002 में कोटा में यूथ हॉस्टल के निर्माण को स्वीकृति मिली। लेकिन इसका निर्माण कार्य प्रारंभ होने में 20 साल गुजर गए।

मुझे यह भी याद है कि गत वर्ष 2 जनवरी, 2022 को जब मैंने इस भवन का शिलान्यास किया था, तो यहां जितने भी युवा उपस्थित थे, उनकी आंखों में एक अलग ही चमक नजर आ रही थी। उनकी चेहरे पर अलग ही आभा नजर आ रही थी।

उससे भी अधिक चमक और खुशी आज एक बार फिर यहां उपस्थित युवाओं में देखने को मिल रही है। उनकी यह खुशी देखकर मेरे दिल को कितना संतोष हो रहा है, इसे मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता।

इस यूथ हॉस्टल में कई डोरमेट्री हैं, लिविंग रूम हैं, वेटिंग लाउंज हैं, पेंट्री और डायनिंग हॉल भी है। यहां लाइब्रेरी का भी निर्माण करवाया गया है। यानि एक ही छत के नीचे हमारे युवाओं को वह सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिनकी कि शहर से बाहर की यात्रा के दौरान उन्हें आवश्यकता होती है।

अब युवाओं को कोटा आते समय यह सोचना नहीं पड़ेगा कि वह कहां रूकेंगे, उन्हें कैसा भोजन मिलेगा, उसका खर्चा कैसे देंगे। इसलिए मैं एक बार फिर हमारे युवाओं को इस यूथ हॉस्टल की बधाई देता हूं।

भारत आज विश्व का सबसे युवा देश है। हम सौभाग्यशाली है कि हमारे देश की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम युवाओं की है। इतनी अधिक युवा आबादी किसी भी अन्य देश के पास नहीं है। ये ऊर्जा, उमंग और उत्साह के असीम स्रोत हैं, जो हमारे देश की तकदीर को बदल देंगे। वास्तव में ये हमारे सुनहरे भविष्य के हस्ताक्षर हैं।

आज उम्र के दृष्टिकोण से जहां विकसित देश बुजुर्ग होते जा रहे हैं, यानि वहां बुजुर्गों की आबादी बढ़ती जा रही है, वहीं दूसरी ओर हमारी युवा आबादी हमारे लिए एक शक्ति का काम कर रही है।

कभी लोग कहते थे कि जब भारत आबादी के मामले में नम्बर 1 हो जाएगा तो क्या होगा। आज वहीं लोग कहते हैं कि सबसे अधिक आबादी होने के बाद भारत अब दुनिया में बहुत जल्द नम्बर 1 हो जाएगा। उनकी सोच में जो यह परिवर्तन आया, भारत के प्रति उनका जो यह विश्वास जागृत हुआ है, वह युवाओं के कारण ही है।

यह युवाओं की नई सोच, उनकी रिसर्च और उनके इनोवेशन के कारण ही है। उनके सामर्थ्य और संकल्प के सिद्धि तक पहुंचने के उनके दृढ़ संकल्प के कारण ही है।

आज दुनिया भारत को एक आशा की दृष्टि से, एक विश्वास की दृष्टि से देखती है। क्योंकि, भारत का जन भी युवा है, और भारत का मन भी युवा है। भारत अपने सामर्थ्य से भी युवा है, भारत अपने सपनों से भी युवा है। भारत अपने चिंतन से भी युवा है, भारत अपनी चेतना से भी युवा है।

एक बार माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में 16 से 19 वर्ष की आयु का पड़ाव बेहद महत्वपूर्ण होता है। उम्र का यह पड़ाव उसके भविष्य की दशा और दिशा तय करता है। माननीय मोदी जी के नेतृत्व में हमने देश की 16वीं और 17वीं लोक सभा देख ली है और आगे भी जैसी परिस्थितियां है, हमें ऐसा लगता है कि उनका मार्गदर्शन लंबे समय तक मिलने वाला है।

बीते 9 वर्ष के काल खंड में माननीय मोदी जी ने देश के सर्वांगीण विकास पर बल दिया है। लेकिन उनका सबसे अधिक फोकस हमारे देश के युवाओं की ओर रहा है। हम कैसे अपने युवाओं में आत्म बल उत्पन्न करें, कैसे उनमें कौशल का विकास करें, कैसे उनकी सोच को नया विस्तार दें, कैसे उनके सपनों को पूरा करें और कैसे उनके आइडिया को नए पंख दें।

इसी कारण आज हमारे पास स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया मिशन जैसी योजनाएं हैं, जो हमारे युवाओं को सशक्त कर रही है। उन्हें आगे बढ़ने और अपने सपने पूरे करने का अवसर उपलब्ध करवा रही हैं।

ऐसा किसी एक क्षेत्र में नहीं हो रहा है, बल्कि ऐसा हर क्षेत्र में हो रहा है। आप चंद्रयान-3 देख लीजिए जिसकी सफलता में हमारे वरिष्ठ वैज्ञानिकों का वर्षों का ज्ञान और अनुभव था, तो हमारे युवा वैज्ञानिकों का जोश और उत्साह भी प्रेरक और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था।

अब हम सूरज को नापने की यात्रा पर बढ़ चले हैं। जल्द ही गगनयान के माध्यम से हम मानव मिशन भी अंतरिक्ष में भेजने वाले हैं।

अभी आप चीन में जो एशियाई खेल चल रहे हैं, उनको देख लीजिए। जब हमारे युवा खिलाड़ी चीन जा रहे थे, तो माननीय प्रधानमंत्री जी ने उन्हें जीत का मंत्र दिया था।

क्या आप बता सकते हो, वो मंत्र कौन सा था। वह मंत्र था इस बार सौ पार। इस बार सौ पार यानि इस बार हमें एशियाई खेलों में सौ से अधिक मेडल लाने हैं। क्या गजब का मोटिवेशन दिया मोदी जी ने, और सिर्फ मोटिवेशन नहीं दिया, वह इस लक्ष्य को पूरा कर सकें, इसका हौसला भी खिलाड़ियों में उत्पन्न किया गया।

आज हमारे युवा खिलाड़ियों को वे सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसकी कभी कल्पना भी नहीं की जाती थी। देश तो देश, विदेशों में भी सरकार हमारे खिलाड़ियों को महंगी ट्रेनिंग करवा रही है, उनका सारा खर्चा उठा रही है ताकि हमारे खिलाड़ियों में आत्मबल उत्पन्न हो।

हमारे युवाओं पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने जो विश्वास जताया, उस पर हमारे युवा भी खरे उतरे हैं। चीन में हम अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं।

संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी में भी युवा सशक्तिकरण की दिशा में हमने पिछले 9 सालों में अनेक प्रयास किए हैं। हमारे युवाओं का कौशल विकास हो, दुनिया में क्या नया हो रहा है, जहां वे खुद के लिए संभावनाएं तलाश सकते हैं, इसके लिए कोटा और बूंदी में ''कौशल महोत्सव रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले'' का आयोजन किया गया। दोनों मेलों में करीब 9 हजार युवाओं को नौकरी के लिए ऑफर लैटर मिले और बड़ी संख्या में युवाओं का देश की नामी कम्पनियों में अप्रेंटिसशिप के लिए चयन हुआ।

अभी पिछले दिनों हमने कोटा के लिए एक विशेष स्कील्स ऑन व्हील्स बस आवंटित करवाई है। यह बस गांव-ढाणी में जाकर ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं में कौशल विकास का कार्य करेगी।

राजस्थान में कोटा-बूंदी पहले ऐसे शहर होंगे, जहां इस तरह का प्रोजेक्ट प्रारंभ होने जा रहा है।

हमने कोटा के श्रीनाथपुरम में प्रदेश के पांचवे सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण करवाया, बूंदी में उससे भी अधिक 20 करोड़ की लागत से खेल संकुल का कायाकल्प हो रहा है। इसमें 7 करोड़ की लागत से बने सिंथेटिक ट्रैक का लोकार्पण अभी तीन दिन पहले ही हुआ है। इसके अलवा वहां 5 करोड़ की लागत से स्वीमिंग पूल और 8 करोड़ की लागत से इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी बन रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल सुविधाएं मजबूत हों, इसके लिए केशवरायपाटन, इटावा, सुल्तानपुर और रामगंजमंडी में साढे चार – साढे चार करोड़ की लागत से इनडोर स्पोट्स हॉल का निर्माण कार्य चल रहा है। कोटा-बूंदी के अस्सी से अधिक गांवों में खेल मैदान विकसित करने का काम चल रहा है।

ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को तलाशने के लिए अभी हमने कोटा-बूंदी का अब तक का सबसे बड़े खेल आयोजन कोटा-बूंदी खेल महोत्सव करवाया।

इतना ही नहीं कल कोटा में ही हम 35 करोड़ रूपए की लागत से साइंस सेंटर का शिलान्यास भी करने जा रहे हैं। यह राजस्थान ही नहीं, देश का सबसे आधुनिक साइंस सेंटर होगा। इतना ही नहीं इस साइंस सेंटर में तारामंडल का भी निर्माण होगा जो भी देश में सबसे अधुनिक टेक्नोलॉजी पर आधारित होगा।

कहते हैं कि जिस ओर जवानी चलती है, उस ओर जमाना चलता है। भविष्य की दिशा नौजवान तय करते हैं। जिस और नौजवान आगे बढ़ते हैं, देश और समाज उस ओर आगे बढ़ता है। इसलिए युवाओं की जिम्मेदारी है कि अपने कर्म और निष्ठा से, अपने परिश्रम से आप अपने आप को मजबूत बनाएं, देश और समाज को मजबूत बनाएं।

युवा पीढ़ी किसी भी देश के विकास की रीढ़ होती है। रीढ़ को अगर नुकसान हो जाए तो शरीर का सीधे खड़े रहना मुमकिन नहीं होता। यानि रीढ़ के नुकसान होने पर शरीर का विकास होना भी संभव नहीं। ठीक इसी प्रकार देश के विकास के लिए विकास की रीढ़ यानि युवा वर्ग की मानसिकता का स्वस्थ रहना है और अपने सपनों की उड़ान को हकीकत में बदलना है। और यह बेहद जरूरी है।

मुझे आशा है कि कोटा का नौजवान न केवल कोटा बल्कि पूरे देश को गौरवान्वित करेगा। इसी संदेश के साथ मैं आप सभी को इस नए यूथ हॉस्टल के लोकार्पण के अवसर पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

निश्चय ही, यह यूथ हॉस्टल कोटा की युवाशक्ति को और अधिक सशक्त और समृद्ध करेगा, इसी अभिलाषा के साथ यहां उपस्थित सभी लोगों को पुन: बहुत बहुत बधाईयां।

.....